'वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचन कठिन'

– संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तुत एजवेल फाउंडेशन की रिपोर्ट

12 मार्च, 2023: नई दिल्लीः संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क में अप्रैल 2023 के दौरान आयोजित होने वाली 'यूनाइटेड नेशन्स ओपन एंडेड वर्किंग ग्रुप ऑन एजिंग' के 13वें सत्र के अवसर पर एजवेल फाउंडेशन द्वारा एक विशेष राष्ट्र–स्तरीय सर्वेक्षण किया गया। आयोजन की थीम के अनुसार यह अध्ययन बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी अधिकार और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच व वृद्धावस्था में सामाजिक समावेश पर केन्द्रित रहा। सर्वेक्षण के लिए एजवेल फांउडेशन के देश भर फैले वॉलन्टियरों ने 10,000 बुजुर्गों के साथ बातचीत की। अध्ययन की रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की वेबसाइटः https://social.un.org/ageing-working-group/thirteenthsession.shtml पर भी उपलब्ध है। संपूर्ण अध्ययन रिपोर्ट के लिए कृपया इस लिंक पर क्लिक करें ***Right To Health And Access To Health Services In Old Age - Social Inclusion -March 2023***.

संयुक्त राष्ट्र के लिए एजवेल रिसर्च एंड एडवोकेसी सेंटर द्वारा किए गए इस अध्ययन से पता चलता है कि वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक समावेश की स्थिति कई कारणों से तेजी से डगमगा रही है। इसके मुख्य कारणों में वृद्धावस्था में बढ़ता जीवन–काल, तेजी से बदलते पारिवारिक व सामाजिक मूल्य, रहन–सहन की लागत में भारी बढ़ोत्तरी, आदि शामिल हैं।

अध्ययन की मुख्य खोजें निम्नलिखित हैं,

- लगभग आधे बुजुर्गों (अर्थात 49.8% उत्तरदाताओं) ने कहा कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के मामले में मुख्य रूप से स्वयं पर निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि वे अपने बच्चों और अन्य लोगों पर निर्भर नहीं रह सकते हैं।
- 62% बुजुर्ग उत्तरदाताओं के अनुसार उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता है और उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति खराब है या बेहद खराब है।
- लगभग 30% वृद्धजन अपने बच्चों और अन्य परिजनों के साथ संयुक्त परिवारों में रहते पाए गए। जबकि लगभग 49% बुजुर्ग उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि वे अपने पति–पत्नी के साथ रहते हैं और उनमें से लगभग 21% बुजुर्ग बिल्कुल अकेले रह रहे थे, जिन्हें किसी प्रकार का पारिवारिक सहारा नहीं मिल रहा था।
- 21% से अधिक बुजुर्ग उत्तरदाताओं ने माना कि वे बदलती जीवनशैली संबंधी बीमारियाँ जैसे मधुमेह, रक्तचाप, आदि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं।
- 20% उत्तरदाताओं ने कहा कि वृद्धावस्था में मनोवैज्ञानिक विकार सबसे आम स्वास्थ्य समस्याएँ हैं। लगभग 19% उत्तरदाताओं ने दावा किया कि गठिया/जोड़ों के दर्द/कमजोरी आदि जैसे स्वास्थ्य मुद्दे सबसे अधिक आम स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं।
- 18% उत्तरदाताओं ने कथित तौर पर कहा कि अधिकांश बुजुर्गों को चलने–फिरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- 30.1% उत्तरदाताओं के अनुसार, बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल योजनाएँ/सुविधाएँ/प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं।
- 32% से अधिक बुजुर्ग उत्तरदाताओं ने बुजुर्गों के लिए उपलब्ध मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं/सुविधाओं/प्रावधानों पर संतोष व्यक्त किया।
- लगभग 33% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनकी राय में मौजूदा स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की स्थिति कुछ हद तक संतोषजनक है।

- 52.9% बुजुर्ग उत्तरदाता वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के स्तर से संतुष्ट नहीं थे। इनमें 21.3% ऐसे उत्तरदाता भी शामिल थे, जो स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के स्तर से बेहद असंतुष्ट थे।
- 43.4% बुजुर्ग उत्तरदाता वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के स्तर से संतुष्ट पाये गये।
- ग्रामीण क्षेत्रों में 32.2% और शहरी क्षेत्रों में 53.5% बुजुर्ग उत्तरदाता वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के वर्तमान स्तर से संतुष्ट पाए गए।
- सर्वे के दौरान पाया गया कि भारत में 55.5% बुजुर्ग मौजूदा सामाजिक समावेश योजनाओं/उपायों से संतुष्ट थे।

नवीनतम शोध पहल के बारे में कहते हुए **एजवेल फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष हिमांशु रथ** ने कहा, *''हमारे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुंच और प्रभावशीलता के बीच एक बड़ा अंतर है। बुजुर्गों के मामले में यह अंतर और भी अधिक बढ़ जाता है। आज, वृद्धजनों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए, उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं व अधिकारों और वृद्धावस्था सामाजिक समावेशन के प्रति एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की नितांत आवश्यकता है।''*

सर्वे के निष्कर्षों और टिप्पणियों के आधार पर एजवेल फाउंडेशन की प्रमुख सिफारिशें;

***बुजुर्गों* के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए** सरकार और संबंधित हितधारकों निम्नलिखित पर ध्यान देने की आवश्यकता है:

- वृद्धजनों के लिए अधिक समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का प्रावधान
- वृद्धावस्था में बिना किसी पारिवारिक सहायता के, अकेले रहने वाले बुजुर्ग रोगियों की देखभाल के लिए वृद्धावस्था देखभालकर्ताओं का नेटवर्क स्थापित करना
- वृद्धावस्था में लम्बे जीवन के लिए चिकित्सा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां/योजनाएं
- बुजुर्गों के लिए उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में
- वृद्ध रोगियों, विशेष रूप से ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले रोगियों को मुफ्त/रियायती परिवहन सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए
- वृद्धजनों के लिए परामर्श सेवाएं, जैसे टेली–हेल्थकेयर सेवा, आदि
- देश भर में समर्पित मोबाइल क्लीनिक स्थापित करना, जो वृद्धजनों की विशेष देखभाल पर केन्द्रित हो
- गरीब वृद्धजनों के लिए दवाएं/चिकित्सा उपकरण/स्वास्थ्य देखभाल सामग्री जैसे अडल्ट डायपर मुफ्त/रियायती दरों का मुहैया कराने संबंधी प्रावधान

बुजुर्गों का सामाजिक समावेश सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए

- सेवानिवृत्त व्यक्तियों व वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था में स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए
- सेवानिवृत्त व्यक्तियों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता क्लास/साफ्ट स्किल प्रशिक्षण/रीटूलिंग का आयोजन
- सेवानिवृत्त/वृद्धजनों को उनके क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सहभागी होने का अवसर दिया जाए ताकि उनके अनुभव, ज्ञान, विवेक और समय का सदुपयोग किया जा सके।
- सामाजिक समावेश/सामाजिक अधिकारिता सप्ताह या दिवस का आयोजन किया जाए, जिसमें बुजुर्गों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें
–9810030979 agewellfoundation@gmail.com agewellfoundation.org